

डॉ. रॉबर्ट चिशोल्म, 1 और 2 सैमुअल, सत्र 1, 1 शमूएल 1

© 2024 रॉबर्ट चिशोल्म और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. रॉबर्ट चिशोल्म 1 और 2 सैमुअल की पुस्तकों पर अपने शिक्षण में हैं। यह सत्र 1 है, 1 सैमुअल 1.1-2.11, बैरेन नहीं रहे।

इस पाठ में, हम 1 सैमुअल अध्याय 1 के साथ-साथ अध्याय 2 के पहले 11 छंदों का अध्ययन करने जा रहे हैं। यह निश्चित रूप से हन्ना की कहानी है, उसका प्रसिद्ध गीत अध्याय 2 में आता है, और मैंने इसे शीर्षक दिया है अनुभाग बंजर नहीं रहा।

इस खंड के लिए बड़ा विचार भगवान है, जो अतुलनीय राजा है, हन्ना यह पुष्टि करने जा रही है कि वह उसके गीत में बिल्कुल वैसा ही है, इसलिए भगवान, याहवे, अतुलनीय राजा, अपने वफादार अनुयायियों को सही ठहराता है। वह हन्ना को सही ठहराता है, जो अपनी प्रतिद्वंद्वी पत्नी पेनिना से भयानक उत्पीड़न झेल रही है क्योंकि उसके कोई बच्चा नहीं हो सकता है, और इसलिए वह भगवान से प्रार्थना करती है, और भगवान उसे एक बेटा देकर उसे सही ठहराते हैं। कहानी केवल हन्ना नामक व्यक्ति के बारे में नहीं है, हन्ना का अनुभव जैसा कि वह अपने गीत में स्पष्ट करती है, उन सभी का प्रतिनिधि है जो उत्पीड़ित हैं, और वास्तव में, वह इज़राइल का प्रतिनिधित्व करती है, और वह उस दिन की प्रतीक्षा कर रही है जब प्रभु करेंगे एक राजा के माध्यम से अपने लोगों को भी न्यायोचित ठहराता है, जो अभी घटनास्थल पर नहीं है, लेकिन हन्ना को इसकी आशंका है।

तो यह इस बात का एक सिंहावलोकन है कि हम इस परिच्छेद में क्या देखने जा रहे हैं। मैं कहूंगा कि मुख्य विषय यह है कि प्रभु सैमुअल के जन्म के माध्यम से इस खंड में इज़राइल के लिए सक्षम नेतृत्व प्रदान करने की प्रक्रिया शुरू करते हैं, और प्रभु वास्तव में अतुलनीय राजा हैं जो अपने वफादार अनुयायियों की रक्षा करते हैं और उन्हें सही ठहराते हैं। हमें 1 सैमुअल को कालानुक्रमिक और ऐतिहासिक रूप से परिप्रेक्ष्य में रखने की आवश्यकता है।

बेशक, सैमुअल से पहले, हमारे पास हिब्रू बाइबिल में पूर्व पैगंबरों में न्यायाधीश हैं, रूथ लेखन में है, यह वहाँ भी नहीं है, लेकिन हम इस बारे में बात करेंगे कि रूथ संरचना में कैसे फिट बैठता है। लेकिन न्यायाधीशों का अंत एक समस्या के साथ होता है। हर कोई वही कर रहा था जो उसकी नज़र में सही था क्योंकि वहाँ कोई राजा नहीं था, और इसलिए इस्राएल को एक राजा की ज़रूरत थी, लेकिन किसी राजा की नहीं।

वास्तव में, हम इज़राइल में राजत्व के इस मुद्दे के बारे में तब बात करेंगे जब हम 1 शमूएल 8 पर पहुँचेंगे, हम इसके बारे में और अधिक विस्तार से बात करेंगे। लेकिन यह स्पष्ट है कि इज़राइल को कुछ नेतृत्व की आवश्यकता है, और मुझे लगता है कि यह उस तरह के राजा के बारे में बात कर रहा है जिसका वर्णन व्यवस्थाविवरण 17 में किया गया है। हम जो कहने जा रहे हैं उसका पूर्वावलोकन करने के लिए, इज़राइल सभी राष्ट्रों की तरह एक राजा चाहेगा, लेकिन यदि आप

व्यवस्थाविवरण 17 को ध्यान से पढ़ें, प्रभु उन्हें एक राजा देना चाहते हैं, परन्तु सभी राष्ट्रों के समान एक नहीं।

जो उनका नेतृत्व करेगा और टोरा की समझ में उनका मार्गदर्शन करेगा, और उन्हें इसी प्रकार के राजा की आवश्यकता है। उनके पास उस तरह का नेतृत्व नहीं है। न्यायाधीशों में, हम बहुत असफल नेतृत्व का चित्रण पाते हैं, और इसलिए सैमुअल की शुरुआत इसराइल को नेतृत्व की आवश्यकता से होती है।

जब हमारे पास कोई सक्षम नेता नहीं होता है तो गंभीर समस्याएँ होती हैं, और 1 सैमुअल में, इज़राइल को उस तरह का नेतृत्व मिलने वाला है, पहले पैगंबर पुजारी सैमुअल के माध्यम से, और फिर अंततः डेविड के माध्यम से। शाऊल एक प्रकार से झूठी शुरुआत थी। जब हम उस अनुभाग पर पहुँचेंगे तो उस पर और अधिक।

तो, सैमुअल उस समस्या को कुछ हद तक, कम से कम अस्थायी रूप से हल करने जा रहा है। अब अंग्रेजी बाइबिल में, ग्रीक बाइबिल का अनुसरण करते हुए, रूथ की पुस्तक को न्यायाधीशों और सैमुअल के बीच में रखा गया है, और यह बिल्कुल उचित भी है, क्योंकि रूथ की पुस्तक वास्तव में डेविड के पूर्वजों के बारे में है। यह एक वंशावली के साथ समाप्त होता है, और डेविड का उल्लेख किया गया है, और इसलिए रूथ की पुस्तक डेविड की भविष्यवाणी करती है, और 1 सैमुअल में, हम घटनास्थल पर डेविड के आगमन को देखते हैं।

1 शमूएल 16 में, वह अंततः वह राजा बन गया जिसकी इस्राएल को आवश्यकता थी। बेशक, अंततः, वह भी असफल है, लेकिन जैसे-जैसे हम अध्ययन के माध्यम से आगे बढ़ते हैं, उस पर और अधिक जानकारी मिलती है। तो, हम देख सकते हैं कि 1 सैमुअल वास्तव में जजेज और रूथ का एक उपयुक्त सीकल है।

यह कहानी को जारी रखेगा और न्यायाधीशों द्वारा उठाई गई समस्या को वास्तव में हल करेगा और कहानी में एक ऐसे व्यक्ति को लाएगा जिसकी रूथ की पुस्तक में अपेक्षा की गई है। तो आइए शुरू करें, गहराई से जानें और हम पाठ पढ़ेंगे। मैं एनआईवी, 1984 संस्करण से पढ़ने जा रहा हूँ।

और इस प्रकार, 1 शमूएल अध्याय 1, पद 1, एप्रैम के पहाड़ी देश के रामतैम-सोफिम में से एक निश्चित मनुष्य था, जिसका नाम एल्काना था, वह येरुचाम का पुत्र, एलीहू का पुत्र, तोहू का पुत्र, सूफ का पुत्र था, एक एप्रैमाइट। उनकी दो पत्नियाँ थीं। एक का नाम हन्ना और दूसरे का पनिन्ना था। पनिन्ना के तो बच्चे थे, परन्तु हन्ना के कोई नहीं था।

अब आप सोच सकते हैं कि यह एक सीधा पृष्ठभूमि वाला खंड है, लेकिन वास्तव में, जिस तरह से इस कहानी को पेश किया गया है वह दिलचस्प है। इस मामले में, रामतैम का एक निश्चित व्यक्ति था, जिसका नाम एल्काना था।

मुझे याद है जब मैं पहली बार इसका अध्ययन कर रहा था, मैंने सोचा, यह शायद एक मानक परिचय था, पुराने नियम में कहानियों को पेश करने का एक विशिष्ट तरीका। लेकिन परिचय की

इस विशेष शैली में मुझे जो पता चला, वह यह कि रिक्त स्थान भरने वाला एक व्यक्ति था, जिसका नाम रिक्त स्थान भरें था। यह केवल चार अंशों में प्रकट होता है, और वे एक साथ हैं।

न्यायाधीश अध्याय 13, सैमसन का परिचय इस प्रकार दिया गया है, उसकी वंशावली। और फिर न्यायियों 17 में, मीका, सैमसन जितना प्रसिद्ध नहीं, बल्कि मीका। और फिर 1 शमूएल अध्याय 9 भी, और इसलिए मैंने सोचना शुरू किया, अच्छा, क्या इन अंशों के बीच किसी प्रकार का संबंध है? ऐसा लगता है कि ये बड़ी साहित्यिक इकाइयाँ एक साथ चलती हैं।

और वास्तव में यह महसूस करने के लिए बहुत अधिक सोचने की आवश्यकता नहीं है, हाँ, इन वर्गों के बीच कुछ सहसंबंध हैं। यदि आप इसके बारे में सोचते हैं, तो हमारे पास यहां एक धर्मपरायण महिला है जिसका नाम हन्ना है, जो एक धर्मनिष्ठ नेता सैमुअल की माँ है। ठीक है, यदि आप न्यायाधीश 13 पर वापस जाएँ, तो सैमसन एक ऐसा नेता है जिसे प्रभु मंच पर लाते हैं।

एक चमत्कारी जन्म के माध्यम से, जैसे कि एक बंजर महिला को बच्चा पैदा करने की अनुमति दी जाती है, और सैमसन एक असफल नेता है। उनकी माँ का नाम भी नहीं दिया गया है। कहानी में इस बात का कोई संकेत नहीं है कि उसने सैमसन को यह भी बताया था कि जीवन में उसकी भूमिका क्या होने वाली है, अर्थात् इज़राइल का उद्धार शुरू करने के लिए।

निस्संदेह, सैमसन एक असफल नेता हैं। मैं जानता हूँ कि इब्रानियों 11 उसे विश्वास के उदाहरण के रूप में प्रस्तुत करता है, और उसके जीवन में विश्वास मौजूद था, लेकिन न्यायाधीशों की पुस्तक नेतृत्व के बारे में है, न कि केवल यह कि विश्वास मौजूद होने पर ईश्वर क्या हासिल कर सकता है, जो कि इब्रानियों 11 का मुद्दा है। और इसलिए, हम जो देखते हैं वह एक असफल नेता है।

लेकिन फिर भी, भगवान उसके माध्यम से महान कार्य करता है, लेकिन वह एक असफल नेता है। वह इज़राइल का उद्धार शुरू करता है, लेकिन वह इसे पूरा नहीं करता है। सैमुअल इसे पूरा करेंगे।

1 शमूएल अध्याय 7 में वह पलिशियों पर बड़ी जीत हासिल करेगा, और वह दाऊद का अभिषेक भी करेगा, जो पलिशियों पर गिनती करेगा। और इसलिए, यह लगभग वैसा ही है जैसे सैमसन सैमुअल के लिए मुसीबत है और फिर डेविड और उसकी अनाम माँ हन्ना के लिए मुसीबत है। सबसे पहले, मेरा मतलब है, न्यायाधीश अध्याय 17 में, हमारे पास यह साथी मीका है, और वह एक धर्मात्मा व्यक्ति नहीं है।

दरअसल, वह अपने धर्म की मनगढ़ंत कहानी गढ़ता है। वह एक लेवी को काम पर रखता है। आखिरकार, उसके सभी धार्मिक सामान दानियों द्वारा चुरा लिए जाते हैं क्योंकि वे उत्तर की ओर पलायन कर रहे हैं, और उन्होंने उत्तर में एक पाखण्डी धर्म की स्थापना की जो भगवान के मानकों का उल्लंघन है और वह जो करना चाहता है उसके विपरीत है।

और इसलिए, कुछ मायनों में, मीका की माँ, जो उस कहानी का एक बहुत ही महत्वपूर्ण हिस्सा है, वह हन्ना के लिए एक मुसीबत है, और मीका सैमुअल के लिए एक मुसीबत है। तो, हमारे पास ये

असफल नेता, ये असफल व्यक्ति और ये अनाम माताएं हैं जो हन्ना और सैमुअल के लिए मंच तैयार कर रही हैं। 1 शमूएल अध्याय 9 और शाऊल के साथ भी कुछ संबंध है, लेकिन जब हम उस अध्याय पर पहुंचेंगे तो मैं उसके बारे में बात करने का इंतजार करूंगा।

तो इस परिचय से, जिस पैटर्न का उपयोग किया गया है, ऐसा लगता है जैसे लेखक चाहता है कि आप इस कहानी को न्यायाधीशों की पुस्तक में पहले जो कुछ भी हुआ है उसके साथ सहसंबंधित करें, और मुझे लगता है कि उस सहसंबंध का महत्व वही है जो मैंने अभी कहा है।

खैर, चलिए आगे बढ़ते हैं। हमारे यहां एक समस्या है। पनिन्ना के बच्चे हैं, और हन्ना के कोई नहीं है। इससे संघर्ष की संभावना है। हम इसे पितृसत्तात्मक कहानियों से जानते हैं जहां एक महिला थी जो हागर या लिआ की तरह एक बच्चा पैदा कर सकती थी, और फिर एक प्रतिद्वंद्वी पत्नी थी जो सारा या राहेल नहीं कर सकती थी, और यह संघर्ष को जन्म देती है।

मुझे नहीं लगता कि पुराना नियम वास्तव में कभी सामने आएगा और बहुविवाह की निंदा करेगा। मुझे लगता है कि उत्पत्ति 2 की कहानी को पढ़ने में यह अंतर्निहित है, पहली शादी की कहानी, लेकिन यह वास्तव में कभी सामने नहीं आती है और इसकी निंदा नहीं करती है। ईश्वर अपने कानून में इसके लिए प्रावधान करता है, लेकिन यह दिलचस्प है कि जब हम इसे क्रियान्वित करते हुए देखते हैं, तो यह अच्छी तरह से काम नहीं करता है क्योंकि यह ईश्वर के पैटर्न के विपरीत चलता है।

इस कहानी में भी यही होने वाला है। इसलिए, पढ़ते-पढ़ते, हर साल यह आदमी, एल्काना, अपने शहर से शीलो में सर्वशक्तिमान भगवान की पूजा और बलिदान करने के लिए जाता था। शीलो वह जगह है जहां इस समय केंद्रीय अभयारण्य स्थित था, और यहीं पर तम्बू और सन्दूक और लेखक ने इसे डाला था, जहां एली के दो पुत्र होप्पी और पीनहास, प्रभु के पुजारी थे।

उन पर बाद में और अधिक जानकारी। वह उसका विकास ही नहीं करता। ऐसा प्रतीत होता है कि वह बस समयवधि का पता लगा रहा है, लेकिन जैसे ही हम अध्याय 2 में पहुंचेंगे, वे कहानी में एक भूमिका निभाएंगे। उन पर कुछ और।

जब कभी एल्काना बलि चढ़ाने का दिन आता, तो वह अपनी पत्नी पनिन्ना और उसके सब बेटे-बेटियों को मांस का एक भाग देता था, परन्तु हन्ना को उस ने दुगना भाग दिया, क्योंकि वह उस से प्रेम रखता था, और यहोवा ने उसकी कोख बन्द कर रखी थी। हमें यह नहीं बताया गया कि भगवान ने उसकी कोख क्यों बन्द कर दी। प्राचीन इज़राइल में, वे द्वितीयक कारणों से बहुत अधिक निपटते नहीं हैं।

हमारा झुकाव हमारी संस्कृति में होता अगर कोई ऐसी महिला होती जिसके बच्चा नहीं हो सकता तो हम यह नहीं कहते कि भगवान ने उसकी कोख बन्द कर दी है। हम इसके बारे में उस तरह से नहीं सोचते। हम चिकित्सा कारणों के संदर्भ में सोचते हैं, लेकिन प्राचीन इज़राइल में, वे समझते थे कि भगवान अंततः हर चीज पर संप्रभु थे और वे माध्यमिक कारणों के बारे में उतने चिंतित नहीं थे जितने हम हैं।

तो भगवान ने उसकी कोख बंद कर दी थी. हमें यह नहीं बताया गया कि ऐसा क्यों है, लेकिन प्रभु उसे उस हालत में नहीं छोड़ते। और क्योंकि यहोवा ने उसकी कोख बन्द कर दी थी, इसलिये उसका प्रतिद्वन्दी उसे चिढ़ाने के लिये उकसाता रहा।

मुझे लगता है कि यह बिल्कुल स्पष्ट है कि हन्ना एल्काना की पसंदीदा है, लेकिन फिर भी, वह बच्चे पैदा करना चाहता है इसलिए उसने पेनिन्ना की ओर रुख किया है और मुझे यकीन है कि पेनिन्ना ने भी तनाव को महसूस किया था, जैसा कि हन्ना ने भी किया था। ये साल दर साल चलता रहा. जब कभी हन्ना यहोवा के भवन में जाती, तब उसका प्रतिद्वन्दी उसे यहां तक उकसाता कि वह रोने लगती और खाना न खाती।

तो, संघर्ष इतना गंभीर है, और यह हन्ना के लिए इतना दर्दनाक है, कि वह रोती है और खाने से इंकार कर देती है। वह पूरी तरह उदास है. हम अध्याय 2 में उसके थैंक्सगिविंग गीत में इस बारे में अधिक जानकारी प्राप्त करने जा रहे हैं कि उसे इस सब के बारे में कैसा महसूस हुआ। एल्काना, उसका पति, उससे कहेगा, हन्ना, तुम क्यों रो रही हो? तुम क्यों नहीं खाते? तुम निराश क्यों हो? क्या मैं आपके लिए दस पुत्रों से अधिक महत्व नहीं रखता? जब हम यहां पढ़ते हैं तो जो चीजें हमें पता चलती हैं उनमें से एक यह है कि हन्ना के जीवन में पुरुषों को यह समझ नहीं आता है।

वे उस दर्द की सराहना नहीं करते जो वह एक बांझ महिला के रूप में महसूस कर रही है और उत्पीड़न का दर्द। उन्हें यह समझ ही नहीं आता. और इसलिए, एल्काना बस उससे कहती है, मुझे समझ नहीं आता कि तुम इतनी परेशान क्यों हो।

क्या मैं आपके लिए दस पुत्रों से अधिक महत्व नहीं रखता? क्या मैं एक सार्थक रिश्ते की आपकी इच्छा पूरी नहीं कर पा रहा हूँ? और अगर मैं हन्ना होता, तो मुझे लगता है कि मैं वापस आता और कहता, अच्छा, तुमने पेनिना को क्यों लिया? क्या मैं आपके लिए बेटों से बढ़कर नहीं हूँ? लेकिन वह समझ नहीं पा रहा है. और हम एली के साथ भी यही देखने जा रहे हैं। जब वह हन्ना की पीड़ा को देखता है तो उसे वास्तव में समझ में नहीं आता है।

तो यह उन चीजों में से एक है जो आप इस कहानी में देखते हैं, और यह आश्चर्य की बात नहीं है क्योंकि जजों में, महिलाएं कहानी में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। जजों के पहले भाग में, यह लगभग ऐसा है मानो उन्हें स्थानापन्न योद्धा बनना है। दबोरा और येल और वह अनाम महिला जो अबीमेलेक के सिर पर चक्की का पाट फेंकती है।

लेकिन न्यायाधीशों के बीच एक महत्वपूर्ण मोड़ आता है जब यिप्तह अपनी बेटी को होमबलि के रूप में प्रभु को अर्पित करता है। चीजें एक तरह से बदलती रहती हैं, और यदि आप न्यायाधीशों के उपसंहार को याद करें, तो महिलाएं पीड़ित होती हैं। महिलाओं का अपहरण कर लिया जाता है.

एक महिला, लेवी की उपपत्नी, के साथ सामूहिक बलात्कार किया गया और उसकी हत्या कर दी गई। और इसलिए, इज़राइली पुरुषों द्वारा महिलाओं पर यह अत्याचार कुछ ऐसा है जिसे हम

न्यायाधीशों में देखते हैं, और इसलिए यह आश्चर्य की बात नहीं है कि सैमुअल एक उत्पीड़ित महिला से शुरू होता है। और इसकी विडंबना यह है कि वह एक अन्य महिला द्वारा उत्पीड़ित है।

बात यहाँ तक आ गयी है. तो, यह एक ऐसा विषय है जो पूर्व भविष्यवक्ताओं के माध्यम से चलता रहा है। यदि हम रूथ को एक सेकंड के लिए छोड़ दें और केवल 1 सैमुअल द्वारा कहानी को जारी रखने के संदर्भ में सोचें, यदि हम रूथ को शायद एक अंतराल के रूप में सोचें, और हम 1 सैमुअल को न्यायाधीशों की कहानी को जारी रखने के रूप में देखते हैं, तो इस विषय को देखना आश्चर्यजनक नहीं है।

जब वे शीलो में खाना-पीना समाप्त कर चुके, तो हन्ना उठ खड़ी हुई। एक बार जब वे शीलो में खा-पी चुके, तो हन्ना उठ खड़ी हुई। एली याजक यहोवा के मन्दिर के द्वार के पास एक कुर्सी पर बैठा था।

जब हम पहली बार एली से मिले, तो वह बैठा हुआ था। वह बूढ़ा है, हम खोजने जा रहे हैं। वह लगभग अंधा है।

वह इस खाते में एक प्रकार का निष्क्रिय चरित्र होने जा रहा है, जो वास्तव में कभी नहीं समझता कि उसके आसपास क्या हो रहा है। और जब वह ऐसा करता है, तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। तो, भगवान के मंदिर की चौखट के पास इस कुर्सी पर बैठने की उनकी मुद्रा, उन्हें एक निष्क्रिय चरित्र की भूमिका में डाल देती है।

आत्मा की कड़वाहट में, हन्ना बहुत रोई और प्रभु से प्रार्थना की। और उन्होंने यह कहते हुए प्रतिज्ञा की, इस संस्कृति में, वे ऐसा करेंगे। जब वे पीड़ित होते थे, तो वे कभी-कभी प्रभु के पास जाते थे और उनसे वादा करते थे।

प्रभु, यदि आप मेरे लिए ऐसा करेंगे तो बदले में मैं आपको कुछ दूँगा। तो, हे सर्वशक्तिमान भगवान, यदि आप केवल अपने सेवक के दुख को देखेंगे। और जब हम इन छंदों को पढ़ रहे हैं तो उन शब्दों पर ध्यान दें जिनका उपयोग वह अपने लिए करती है।

दुख, पीड़ा और उत्पीड़न के लिए अलग-अलग शब्द। यदि तू केवल अपने दास के दुःख को देखेगा और मुझे स्मरण करेगा। और बाइबल में, इस तरह की प्रार्थनाओं में, जब वे कहते हैं याद रखें, तो ऐसा नहीं है कि प्रभु भूल गए हैं, बल्कि उन्हें ऐसा लगता है जैसे वह भूल गए हैं।

और इसलिए, जब वे कहते हैं याद रखें, तो उनका वास्तव में मतलब याद रखें और कुछ करें। इसे पहचानें और इसके बारे में कुछ करें। लेकिन यह एक मुहावरा है जिसका वे उपयोग करते हैं।

और अपने सेवक को मत भूलना. मैं भूला हुआ महसूस करता हूँ, भगवान, लेकिन उसे एक बेटा दो। तब मैं उसे जीवन भर के लिये यहोवा को सौंप दूँगा, और उसके सिर पर कभी छुरा न चलाया जाएगा।

यह सही नहीं है कि सैमुअल को नाज़ीर कहा जाए, लेकिन यह कुछ ऐसा है जो नाज़ीराइट्स ने किया था, इसलिए यह बहुत अच्छी तरह से हो सकता है कि वह वास्तव में एक नाज़ीर था। लेकिन उम्मीद है कि आप देख सकते हैं कि सैमुअल सैमसन के समानांतर काम करता है, जैसा कि हमने बताया। वह भगवान का लंबे बालों वाला सेवक है।

सैमसन अंततः उस संबंध में असफल रहा, लेकिन सैमुअल सफल होगा। लेकिन उनके सिर पर कभी उस्तरा नहीं चलाया जाएगा। इसलिए, हन्ना जरूरी नहीं कि ऐसा लड़का चाहती हो जो शुरू में घर में इधर-उधर भागता रहे।

उसकी मुख्य चिंता यह है कि मैं बस इस उत्पीड़न से छुटकारा पाना चाहती हूँ। क्योंकि मुझे यकीन है कि इस संस्कृति में लोग सोच रहे थे कि किसने पाप किया? उसने ज़रूर कुछ भयानक किया होगा, या किसी ने, शायद उसके माता-पिता ने, कुछ भयानक किया होगा। उसे प्रभु द्वारा उस तरह से आशीर्वाद नहीं दिया जा सकता जिस तरह से अधिकांश लोगों को मिलता है।

लोगों ने ऐसा सोचा. आप इसे यीशु के समय में देखते हैं जब उन्होंने निर्णय लिया कि अंधे व्यक्ति के साथ किसने पाप किया। किसने उसे या उसके माता-पिता को पाप किया? और उन्हें विश्वास था कि गर्भ में बच्चे इतनी जल्दी पाप कर सकते हैं। और इसलिए, लोग शायद हन्ना को देख रहे थे और सोच रहे थे, उसने क्या गलत किया? और वह उत्पीड़ित है।

वह बस इतना कहना चाहती है कि मुझे एक बेटा हुआ है। और इस संस्कृति में बेटों को प्राथमिकता दी जाती थी। मेरा एक बेटा हुआ है।

मैं अब बांझ नहीं हूँ. प्रभु ने सचमुच मुझे आशीर्वाद दिया है। और वह कह रही है, मैं उसे तुम्हें वापस दे दूंगी।

और वह जीवन भर पवित्रस्थान में तेरी सेवा करेगा। और वह आपके प्रति समर्पित रहेगा. और उसके बिना कटे बाल इसका संकेत होंगे।

जब वह पद 12 में प्रभु से प्रार्थना करती रही, तो एली ने उसके मुँह पर ध्यान दिया। तो, एली उसे चुपचाप प्रार्थना करते हुए देख सकती है। हन्ना मन ही मन प्रार्थना कर रही थी, और उसके होंठ हिल रहे थे, परन्तु उसकी आवाज़ सुनाई नहीं दे रही थी।

एली को लगा कि वह नशे में है। क्या यह दिलचस्प नहीं है? वह इस महिला को कुछ बोलते हुए देखता है और सोचता है कि वह नशे में होगी। तो एक बार फिर, हन्ना के जीवन में पुरुषों को यह समझ में नहीं आ रहा है।

वह यह मूल्य निर्णय करता है जो पूरी तरह से गलत है। और उस ने उस से कहा, तू कब तक मतवाला होती रहेगी? अपनी शराब से छुटकारा पाएं. इसलिए धार्मिकता से, आत्म-सच्चाई से उसकी निंदा करता है।

दूसरी बार पढ़ने पर ये शब्द और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जायेंगे। आप जानते हैं, जब आप बाइबिल की कथा पढ़ रहे होते हैं, तो वह पहला पाठ होता है। यह पहली बार कोई फिल्म देखने जैसा है।

और जैसे-जैसे कहानी सामने आती है, बहुत सारी भावनाएँ होती हैं, खासकर यदि यह ऐसी कहानी है जिससे आप उतने परिचित नहीं हैं। हम इनमें से कुछ कहानियों से इतने परिचित हैं कि हम पहली बार पढ़ने से कहीं आगे हैं। लेकिन मूल दर्शकों के बारे में सोचें।

जैसे ही वे इसे पढ़ रहे हैं, वे बस एक तरह से यह सब ग्रहण कर रहे हैं। लेकिन कभी-कभी दूसरा पढ़ना बहुत, बहुत दिलचस्प होता है। आप कहानी में पहले ऐसी चीजें देखते हैं जिन्हें आप पहली बार देखने से चूक गए होंगे।

मुझे याद है जब मैंने द सिक्स्थ सेंस फिल्म देखी थी। यह पहली बार था, ऐसा लगा, वाह, बच्चा पागल हो गया है। बच्चा पागल है।

लेकिन फिर जैसे-जैसे कहानी आगे बढ़ती है आपको एहसास होता है, नहीं, बच्चा सही है। लड़का मर चुका है। और इसलिए, फिल्म के माध्यम से दूसरी बार, आप भावुक नहीं हैं और आप इतने भ्रमित नहीं हैं और चीजों को समझने की कोशिश नहीं कर रहे हैं।

फिल्म के माध्यम से दूसरी बार, आप कहानी के पहले भाग में वे चीजें देखते हैं जो आप पहली बार देखने से चूक गए थे, जैसे जब वह रेस्तरां में अपनी पत्नी से बात कर रहा हो। और ऐसा लगता है जैसे वह उसके बारे में जानती है, लेकिन वास्तव में नहीं अगर आप इसे ध्यान से देखें। तो, दूसरी बार, ये शब्द बहुत अधिक समझ में आने वाले हैं क्योंकि अब हम होफनी और फिनीस के बारे में जानेगे और वे कैसे हैं।

उनके अपने पुत्र ही पवित्र स्थान का उल्लंघन कर रहे हैं। मूलतः, वे उससे प्रभु का भोजन चुरा रहे हैं। बस उचित बलिदान के लिए प्रोटोकॉल का उल्लंघन हो रहा है, और हम इसे अपने अगले पाठ में देखेंगे।

और वे वास्तव में अभयारण्य में काम करने वाली महिलाओं के साथ अवैध यौन संबंध बना रहे हैं। यह सब एली के आसपास चल रहा है, लेकिन फिर भी वह सभी तथ्यों के बिना भी इस महिला की शराबी के रूप में निंदा कर रहा है। तो, उस व्यक्ति को एक प्रकार से अनभिज्ञ के रूप में प्रस्तुत किया जाता है।

वह सचमुच नहीं समझ पाता कि उसके आसपास क्या हो रहा है, लेकिन हन्ना तुरंत उसे सुधार देती है। ऐसा नहीं है, हे प्रभु, हन्ना ने उत्तर दिया। मैं एक ऐसी महिला हूँ जो बहुत परेशान है।'

उन्होंने पहले दुख शब्द का प्रयोग किया था। अब, वह एक ऐसी महिला है जो बहुत परेशान है। मैं शराब या बीयर नहीं पी रहा हूँ।

मैं अपनी आत्मा प्रभु को अर्पित कर रहा था। अपने दास को दुष्ट स्त्री न समझो। मैं अपनी अत्यधिक पीड़ा और दुःख के कारण यहाँ प्रार्थना कर रहा हूँ।

वह दो और शब्दों का उपयोग करती है, और यह बहुत महत्वपूर्ण है, वह वाक्यांश, दुष्ट महिला, क्योंकि हिब्रू में, वह दुष्ट या बुरे के लिए एक सामान्य शब्द का उपयोग नहीं करती है। वह मूल रूप से बेलियल शब्द का उपयोग करती है, या बेलियल वह तरीका है जिसे आप कभी-कभी देखते हैं। बाद में, जब आप न्यू टेस्टामेंट, बेलियर या बेलियल तक पहुंचते हैं तो यह शैतान के लिए एक उपाधि बन जाती है।

लेकिन पुराने नियम में बेलियल का सीधा सा अर्थ है बेकार, एक तरह का बेकार। इसलिए, मुझे एक बेकार दुष्ट औरत मत समझो। जाहिरा तौर पर, उसे ऐसा महसूस हुआ जैसे एली उस पर शराबी होने का आरोप लगाकर उसके बारे में ऐसा सोच रही थी।

लेकिन यह बहुत दिलचस्प है, यही शब्द अध्याय दो में एली के बेटों के लिए इस्तेमाल किया जाएगा। वर्णनकर्ता उस शब्द से उनका वर्णन करने जा रहा है। वे निकम्मे, दुष्ट बेटे हैं।

तो, इसकी विडंबना देखिए? एली उसके साथ ऐसा व्यवहार कर रही है मानो वह इसी प्रकार की व्यक्ति हो। वह नहीं है, जबकि वास्तव में, उसके अपने बेटे ही उस तरह के व्यक्ति हैं। लेकिन उस पर और अधिक जब हम अध्याय दो पर आते हैं।

एली ने उत्तर दिया, कुशल से जाओ, और इस्राएल का परमेश्वर जो कुछ तुम ने उस से मांगा है वह तुम्हें दे। इसलिये जो कुछ तुम यहोवा से मांगोगे, वह तुम्हारे मन की इच्छा पूरी करे। उसने कहा, तेरे दास पर तेरे अनुग्रह की दृष्टि हो।

फिर वह चली गई और कुछ खाया, और उसका चेहरा अब उदास नहीं था। यह दिलचस्प है, कि वह अपनी आत्मा को प्रभु के सामने रखती है, और फिर उसे एली से एक प्रकार का आशीर्वाद मिलता है, अंततः, जब उसे अंततः पता चलता है कि क्या हो रहा है, और वह प्रभु से प्रार्थना करती है, और प्रभु से एक प्रकार का वचन प्राप्त करती है, उसका चेहरा बदल जाता है और उसका रवैया बदल जाता है। उसका चेहरा अब उदास नहीं है, और वह जाती है और खाना खाती है।

और मुझे लगता है कि यह एक विषय है। मुझे नहीं लगता कि यह इस कहानी का प्राथमिक बिंदु है, लेकिन पुराने नियम की ये कहानियाँ बाइबिल के सिद्धांतों का उदाहरण हैं। मेरा मतलब है, इस परिच्छेद का मुख्य विषय यह है कि ईश्वर अपने वफादार अनुयायियों को सही ठहराता है, लेकिन कई उप-विषय भी हैं।

और आप इस सिद्धांत को पुराने नियम में देखते हैं। भजनहार अपना हृदय परमेश्वर के सामने उंडेल देते हैं। कुछ लोग उस तरह से प्रभु से प्रार्थना करने से झिझकते हैं, जैसे हन्ना यहाँ कर रही थी।

हमें वास्तव में उसकी प्रार्थना के शब्द नहीं मिलते हैं, लेकिन मुझे लगता है, हम स्पष्ट रूप से देख सकते हैं कि यह एक विलाप था कि वह प्रभु के सामने प्रार्थना कर रही थी, और लोग इससे कतराते हैं। मैं प्रभु से इस प्रकार प्रार्थना नहीं कर सकता। यह अनुचित है।

विरोध करते हुए उसे ऐसे उठने के लिए कहा जैसे वह सो रहा हो। लोग भगवान से इस तरह बात करने से कतराते हैं, लेकिन ऐसा करने में कुछ बहुत ही मुक्तिदायक बात है, मैंने अपने अनुभव से पाया है। और इसलिए, मुझे लगता है कि पीटर का यही मतलब है जब वह आपकी सारी चिंताएं उस पर डालने की बात करता है।

हमें आभारी होना चाहिए, लेकिन पहला कदम कभी-कभी अपनी चिंताओं को उस पर डालना होता है, क्योंकि जब हम ऐसा करते हैं, तो हमने एक तरह से अपना मुद्दा भगवान को सौंप दिया है, और हम जानते हैं कि हमारे पास किस तरह का भगवान है, और वहाँ है इसके बारे में कुछ मुक्तिदायक। और यही हाल हन्ना का है। उसने अपना हृदय प्रभु के सामने रख दिया है।

उसे हमारे लिए प्रभु से एक प्रतिक्रिया मिली है जो उसके वचन के माध्यम से आएगी, जैसे ही हम उसके वचन पढ़ते हैं, वह आश्वासन जो उसने हमें दिया है कि वह हमेशा हमारे साथ है, और हम वर्तमान और अपने भविष्य को लेकर उस पर भरोसा कर सकते हैं, और जिससे उसका आचरण बदल जाता है। अगली सुबह, वे उठे और भगवान के सामने पूजा की, और फिर घर लौट आए, और रामा में अपने घर वापस चले गए। एल्काना अपनी पत्नी हन्ना के साथ सोया, और यहोवा ने उसकी सुधि ली।

उसने इसके लिए प्रार्थना की, हे प्रभु मुझे याद रखना, और अब प्रभु ने उसे याद किया, जिसका अर्थ है कि वह उसकी प्रार्थना का उत्तर देने जा रहा है। वह उसे वह पुत्र देने जा रहा है, जैसे एली ने प्रार्थना की थी। इसलिए, समय के साथ, हन्ना गर्भवती हुई।

गर्भाधान अपेक्षाकृत जल्दी होता है, मुझे लगता है कि चार से बहत्तर घंटों के भीतर, लेकिन प्राचीन इज़राइल में, वे शायद यह सब नहीं समझते थे, और इसलिए उन्हें तब तक पता नहीं चलता था कि हन्ना गर्भवती थी जब तक कि वह गर्भवती न हो जाए। कुछ समय बाद हन्ना गर्भवती हुई और उसके एक पुत्र उत्पन्न हुआ, और उसने यह कहकर उसका नाम शमूएल रखा, कि मैं ने उसके लिये यहोवा से बिनती की। अब सैमुअल, शेमुएल नाम का मतलब पूछना या ऐसा कुछ भी नहीं है, लेकिन कभी-कभी वे क्या करते हैं, वे एक ऐसा नाम चुनते हैं जो एक विशेष शब्द की तरह लगता है, और इस मामले में, उसने प्रभु से प्रार्थना की थी, बच्चे, शाल, उसने उसके लिए पूछा था, और इसलिए उस शब्द में कुछ अक्षर सैमुअल के नाम, शेमुएल के समान हैं, और इसलिए जब उसने सैमुअल का नाम कहा, तो उसे याद दिलाया गया, मैंने उसके लिए पूछा था, और प्रभु ने मेरी सुन ली।

और इसलिए, वह उसे इस मामले में एक उपयुक्त नाम देती है, जो उसके लिए सैमुअल के जन्म के आसपास की परिस्थितियों की याद दिलाएगा। इसलिये जब एल्काना पुरूष अपने सारे परिवार समेत यहोवा को वार्षिक बलिदान चढ़ाने और अपनी मन्त्रत पूरी करने को गया, तब हन्ना

न गई। उस ने अपने पति से कहा, लड़के के दूध छुड़ाने के बाद मैं उसे ले जाकर यहोवा के साम्हने उपस्थित करूंगी, और वह सदा वहीं रहेगा।

इसलिए, उसने प्रभु से वादा किया था कि वह ऐसा करेगी, लेकिन हम ऐसा होने के लिए बिल्कुल तैयार नहीं हैं। वह उसे छुड़ाना चाहती है और जब वह वहां पहुंचे तो उसे जाने के लिए तैयार करना चाहती है। और एक बार फिर, एल्काना की प्रतिक्रिया मुझे अनुचित लगती है।

वही करो जो तुम्हें सबसे अच्छा लगे, एल्काना, उसके पति ने उससे कहा। जब तक तुम उसका दूध न छुड़ाओ तब तक वहीं रहो। केवल प्रभु ही अपना वचन पूरा करें।

ऐसा लगता है जैसे वह इस बात को लेकर थोड़ा झिझक रहे हों। उसे पूरा यकीन नहीं है कि वह जो कर रही है वह उचित है। हम वास्तव में निश्चित नहीं हैं कि वह किस बात का जिक्र कर रहा है।

केवल प्रभु ही अपना वचन पूरा करें। इससे पहले प्रभु ने उससे या उससे कोई वादा नहीं किया है। हमें एली का आशीर्वाद प्राप्त था, लेकिन इसका एहसास हो गया है।

हन्ना की संतान, हन्ना का एक बेटा था, और उसकी प्रार्थना का जवाब दिया गया था, इसलिए हम वास्तव में निश्चित नहीं हैं कि इसका क्या मतलब है। इसलिए, वह स्त्री घर पर ही रही और अपने बेटे का दूध छुड़ाने तक उसका पालन-पोषण करती रही। जब उसका दूध छुड़ाया गया, तब वह उस लड़के को, जो वह बालक ही था, एक तीन वर्ष का बैल, एक एपा आटा, और एक कुप्पी दाखमधु, अपने साथ ले गई, और उसे शीलो में यहोवा के भवन में ले गई।

जब वे बैल को बलि कर चुके, तब लड़के को एली के पास ले आए, और उस ने उस से कहा, हे मेरे प्रभु, तेरे जीवन की शपथ, मैं वही स्त्री हूं जो यहां तेरे पास खड़ी होकर यहोवा से प्रार्थना करती थी। मैंने इस बच्चे के लिए प्रार्थना की और प्रभु ने मुझे वह दिया जो मैंने उससे मांगा था। तो अब मैं उसे सौंपता हूं तो वह अपनी प्रतिज्ञा पूरी कर रही है, प्रभु से किया गया अपना वादा।

और फिर यह अजीब तरह से कहता है, कि उसने वहां भगवान की पूजा की। कौन है ये? मुझे लगता है कि यह एल्काना हो सकता है, लेकिन कुछ छंदों के लिए उसका उल्लेख नहीं किया गया है। उसे यहाँ क्यों लाओ? कुछ ग्रंथों में लिखा है, कि वे प्रभु की पूजा करते थे, जिसका बेहतर अर्थ होगा, लेकिन साथ ही, यह सैमुअल को चित्रित कर सकता है, जो अभी छोटा है, पहले से ही प्रभु के उपासक के रूप में।

वह इस समय ऐसा करने में सक्षम है। तो यह होफ़नी और फ़िनहास के साथ विरोधाभास स्थापित करेगा जिसे हम अगले अध्याय में देखने जा रहे हैं। यह कहानी के उन तत्वों में से एक हो सकता है जिस पर आप पहली बनाते हैं जब आप पहली बार कहानी पढ़ते हैं, लेकिन इन कहानियों को विहित कहानियों के रूप में, प्रेरित धर्मग्रंथ के रूप में, बार-बार पढ़ने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

और वैसे, जब आप ऐसा करते हैं, तो आप हमेशा कुछ नया खोजते हैं। तो, यह कहानी में एक तत्व हो सकता है जो तब और अधिक समझ में आएगा जब हम कहानी को दूसरी बार पढ़ेंगे, और हम देखेंगे, ओह, सैमुअल शुरू से ही भगवान की पूजा कर रहा था, तब भी जब वह छोटा और न्यायप्रिय था दूध छुड़ाया। इसके विपरीत, एली के पुत्र, परमेश्वर की बिल्कुल भी आराधना नहीं करते।

और यह हमें एक बहुत ही अद्भुत परिच्छेद में अध्याय दो तक लाता है। तब हन्ना ने प्रार्थना करके कहा, मेरा मन यहोवा के कारण आनन्दित है। प्रभु में मेरा सींग ऊंचा हो गया है।

यह बहुत महत्वपूर्ण है। वह किस बारे में बात कर रही है? क्या उसके पास सींग हैं? खैर, आप इसे शाब्दिक रूप से नहीं ले सकते। यह एक रूपक है।

वह अपनी तुलना एक जंगली बैल से कर रही है, एक ऐसा जानवर जो प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ लड़ाई में अपने सींगों का इस्तेमाल करता है। और इसलिए यहां शुरुआत से ही, हमें उसके गीत में यह अहसास होना शुरू हो जाता है कि वह पेनिन्ना के साथ संघर्ष को कैसे देखती थी। वह इसका वर्णन सैन्य भाषा में करती है।

और यहोवा ने उसे पुत्र उत्पन्न करने के योग्य बनाया है। उसने इस प्रतिद्वंद्वी पत्नी के सामने और वास्तव में अन्य लोगों के सामने उसे सही ठहराया है जो शायद उसके बारे में सवाल पूछ रहे थे, क्योंकि हन्ना को कोई बच्चा नहीं हो सकता है। यहाँ कुछ गड़बड़ है।

लेकिन ऐसा लगता है जैसे वह अपने आलोचकों और अपने उत्पीड़कों के खिलाफ लड़ाई में उतर गई है और अब उसने जीत हासिल कर ली है। और यहोवा ने उसका सींग ऊंचा कर दिया है, और इसलिए वह अपनी तुलना इस जंगली बैल से कर रही है जिसने अपने प्रतिद्वंद्वी से युद्ध जीत लिया है, और उसका सींग ऊंचा हो गया है। वह प्रभु द्वारा प्रमाणित है।

वह कहती है, मैं अपने शत्रुओं पर घमण्ड करता हूँ, क्योंकि मैं तेरे उद्धार से प्रसन्न हूँ। वह वह थी जिसे प्रभु द्वारा छुड़ाए जाने की आवश्यकता थी। उसने उसे उसके शत्रुओं से बचाया।

तो एक बार फिर, इस सैन्यवादी भाषा का उपयोग किया गया है। इस बिंदु पर, गीत के बाकी हिस्सों में वह जो कहती है उसकी वास्तव में सराहना करने के लिए, हमें संस्कृति के बारे में कुछ जानने की जरूरत है। और इसलिए, हम बाल के बारे में बात करने जा रहे हैं, देवता बाल, कनानी देवता बाल, जो उर्वरता के देवता थे और तूफान के देवता भी थे।

बाल वह देवता था जिसकी कनानवासी बारिश के लिए पूजा करते थे। उनका मानना था कि बाल ही वह है जो बारिश और ओस प्रदान करेगा ताकि भूमि उपजाऊ हो और फसलें उगें। वह मानव क्षेत्र में प्रजनन क्षमता का देवता भी है।

वही तुमको सन्तान देता है। और इस संस्कृति में, यह सब बच्चों और फसलों के बारे में है। यह एक कृषि प्रधान समाज है, और वे अच्छी फसल चाहते हैं, और वे बच्चे पैदा करना चाहते हैं।

कृषि संदर्भ में बहुत सारे बच्चे पैदा करना महत्वपूर्ण है। इसके अलावा, इस विशेष ऐतिहासिक संदर्भ में, आप बहुत सारे बच्चों को खोने जा रहे हैं। बच्चे मरने वाले हैं।

और इसलिए, बच्चे पैदा करना महत्वपूर्ण है। और इसलिए, उन्होंने प्रजनन देवता बाल की पूजा की। और बाल देवियों के साथ यौन सम्बन्ध रखता था।

वह प्रजनन क्षमता के देवता हैं। और इसलिए, कनानियों ने उसकी पूजा की। और 1929 में इज़राइल के उत्तर में उगारिट स्थल पर, जिसकी खुदाई फ्रांसीसियों ने की थी, उन्हें वहाँ गोलियाँ मिलीं।

जैसे ही इन गोलियों को समझा गया, अनुवाद किया गया और ध्यानपूर्वक अध्ययन किया गया, अब हम इस समय दुनिया के इस क्षेत्र में बाल पूजा के बारे में काफी कुछ जानते हैं। बाल देवताओं के एक पंथ का हिस्सा था, और कनानी प्रणाली में, एक उच्च देवता है। बाल सर्वोच्च देवता नहीं है।

उच्च देवता को एल, ईएल कहा जाता है, जो हिब्रू और यहां तक कि उगारिटिक में भगवान के लिए एक सामान्य शब्द है, लेकिन यह इस उच्च देवता का नाम या उपाधि है। वह यहाँ कनानी देवताओं के शीर्ष पर है। उसके नीचे, अन्य देवता हैं जो एल के अंतिम अधिकार के तहत दुनिया पर नियंत्रण के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं।

बाल इन देवताओं में से एक है। हालाँकि, दो अन्य मुख्य देवता हैं, जो बाल के प्रतिद्वंद्वी हैं। एक है रतालू,

यम समुद्र के देवता हैं। और इसलिए, बाल को समुद्र को हराना है क्योंकि समुद्र बस अंदर आना चाहता है और सब कुछ डुबो देना चाहता है और कब्ज़ा कर लेना चाहता है और अराजकता पैदा करना चाहता है। और इसलिए, बाल को समुद्र को हराना होगा।

यह दिलचस्प है कि पुराने नियम में इस कल्पना का कुछ भाग इस्राएल के देवता यहोवा पर लागू किया गया है। वह सृजन के साथ, निर्गमन के साथ मिलकर समुद्र को हराता है, और इसका मतलब यह नहीं है कि यहोवा कनान धर्म से विकसित हुआ है, जैसा कि कुछ लोग तर्क देने की कोशिश करते हैं। पुराने नियम के ये अंश स्वाभाविक रूप से विवादास्पद हैं।

इस्राएली इस बात की पुष्टि कर रहे हैं कि हमारे ईश्वर, यहोवा, उन सभी को नियंत्रित करते हैं। वह वह है जो समुद्र को हराता है, जो ईश्वर के विरोध में बुराई का प्रतिनिधित्व करता है। तो, बाल ने यम को हरा दिया।

वह समुद्र को हरा देता है। उनका एक और प्रतिद्वंद्वी, मोट भी है। मोट मृत्यु का देवता है।

और इसलिए, कनानियों की पौराणिक कथाओं में, बाल वास्तव में मोट से हार गया था। उसका मोट के साथ युद्ध होता है और वह हार जाता है और उसे अंडरवर्ल्ड में, मृतकों की दुनिया में, मोट

के दायरे में, जिस पर वह शासन करता है, जाना पड़ता है। सौभाग्य से बाल के लिए, वह पुनर्जीवित हो जाता है।

वह एक मरता हुआ और उभरता हुआ देवता है। वह अनात नामक देवी की मदद से जीवन में वापस आता है, जो मोट को हरा देती है। लेकिन इन देवताओं के आने और जाने का एक तरीका होता है।

मोट पूरी तरह से कुचल दिया गया है और हवा में फेंक दिया गया है, लेकिन सात साल बाद, देखो, वह फिर से वापस आ गया है। और बाल और मोट के बीच एक और संघर्ष है और एल, वह एक फैसला जारी करता है और वह कहता है कि बाल विजेता है। लेकिन आपको यह आभास होता है कि यह मुक्केबाजी में एक विभाजित निर्णय जैसा है।

यह इसका अंत नहीं है। यह सारी पौराणिक कथा किस बारे में है? यह प्रकृति के बारे में है। देवता और प्रकृति एक हैं।

पुराने नियम में, इज़राइल के देवता, यहोवा, प्रकृति से ऊपर हैं। वह प्रकृति का निर्माता है। वह इसका हिस्सा नहीं है।

वह इससे ऊपर है। लेकिन कनानी सोच में, प्रकृति और देवता सभी एक साथ गुंथे हुए हैं। यह सब एक सिस्टम का हिस्सा है।

मूलतः यह प्रकृति और मौसमी चक्र व स्थिति को प्रतिबिंबित कर रहा है। जब बाल नियंत्रण में होता है, तो सब कुछ उचित तरीके से संचालित होता है। वर्षा अपने उचित मौसम में होगी।

हम यह भी नहीं चाहते कि हर समय बारिश होती रहे। बारिश आएगी, ज़मीन को उपजाऊ बनाएगी, फसलें उगेगी, और सब कुछ उसी तरह से चलेगा जिस तरह से होना चाहिए। लेकिन क्या होता है जब लंबे समय तक सूखा रहता है और शुष्क मौसम समाप्त नहीं होता है? यह बस लम्बा हो जाता है।

खैर, उनकी सोच में, तभी बाल हार गया है और मोट ने कब्ज़ा कर लिया है। इसलिए, लंबे समय तक सूखा घातक हो सकता है। खाना नहीं है।

और इसलिए, पौराणिक कथाओं को यह दर्शाने के लिए डिज़ाइन किया गया है कि वे प्रकृति के बारे में क्या जानते थे। और इसलिए, जब बाल हार जाता था और उसे मृतकों की दुनिया और पाताल में जाना पड़ता था, तो वे उसे वापस जीवन में लाने के प्रयास में उसके लिए शोक मनाते थे। जैसा कि हम पौराणिक कथाओं में वर्णित देखते हैं, यहां तक कि उच्च देवता एल भी बाल की मृत्यु से नाखुश हैं।

और वह अपने सिंहासन से उतरता है, टाट पहनता है, एक नुकीली चट्टान उठाता है, और अपने आप को काटने लगता है। ये शोक संस्कार हैं। जब आप मृतकों का शोक मना रहे होते हैं तो आप यही करते हैं।

यही कारण है कि व्यवस्थाविवरण 14 इस्राएलियों से कहता है, तुम मरे हुआओं के लिये अपने आप को न काटना। तुम्हें इन कनानी शोक अनुष्ठानों में शामिल नहीं होना है। यह बुतपरस्त है, और मैं नहीं चाहता कि आप ऐसा करें।

यदि आपको 1 राजा 18 में कार्मेल पर्वत पर एलिय्याह और बाल के भविष्यवक्ताओं की कहानी याद है, तो बाल के भविष्यवक्ता क्या करते हैं? जब वे बारिश कराने के लिए बाल को बुलाने की कोशिश कर रहे थे तो उन्होंने खुद को काट लिया, क्योंकि याद रखें, सूखा पड़ गया था। इस्राएलियों ने फैसला किया था, हम बाल की पूजा करने जा रहे थे। और, ठीक है, एक प्रकार का दुर्भाग्य।

जैसे ही वे उत्तरी राज्य में बालवाद को आधिकारिक धर्म बनाने का निर्णय लेते हैं, वह चला जाता है और मर जाता है। वह उन पर जाकर मर जाता है। और सूखा है।

और इसलिए, वे उसे पुनर्जीवित करने के प्रयास में खुद को काट रहे हैं। तो, यह कुछ पृष्ठभूमि है। बाल बारिश लाने वाले देवता हैं।

वह गरजता है। वह गरज के साथ आता है। गड़गड़ाहट को उनकी पवित्र आवाज़ कहा जाता था।

और बाल एक प्रमुख देवता है। वह बहुत महत्वपूर्ण है। ऐसे कई देवता हैं जो उच्च देवता एल को घेरे हुए हैं, और उन्हें पवित्र कहा जाता है।

लेकिन एक पाठ में, अनात कहते हैं कि बाल देवताओं में सबसे पवित्र हैं। उसकी तुलना कौन कर सकता है? तो, हन्ना की स्थिति के बारे में सोचो। और मुझे नहीं लगता कि हम यहां पाठ पढ़ रहे हैं।

वह ऐसे सांस्कृतिक माहौल में रहती है जहां इज़राइल में बाल की पूजा की जाती है। न्यायाधीश इस बारे में कई-कई बार बात करते हैं। वास्तव में, गिदोन की कहानी याद रखें।

उन्हें इस्राएल के एक नगर में बाल की वेदी मिली है। इसे गिदोन के पिता चला रहे हैं। और जब गिदोन ने उसे फाड़ डाला, तो सारा नगर उसे मार डालने के लिये तैयार हो गया।

उसके पिता हस्तक्षेप करते हैं, और हम वास्तव में निश्चित नहीं हैं कि उनके बयान का क्या मतलब है, लेकिन ऐसा लगता है कि वह कह रहे हैं, कि बेहतर होगा कि हम उसके लिए बाल की लड़ाई न लड़ें। वह नाराज हो सकता है। उसे अपनी लड़ाई खुद लड़ने दीजिए।

अब, हो सकता है कि यह उसके बेटे को बचाने के लिए डिज़ाइन किया गया हो। किसी भी कीमत पर, वह अपने बेटे को एक नया नाम देते हैं, येरुव बाल। बाल को उसके साथ प्रयास करने दो।

तो, उस समय से, गिदोन को यह नाम मिला, येरुव बाल, बाल के लिए यह चुनौती। और हां, इसराइल में बाल की पूजा की जाती है। और इसलिए, हन्ना की स्थिति के बारे में सोचें।

वह बांझ औरत है. प्रभु ने उसे कोई बच्चा नहीं दिया है। मुझे लगता है कि उस स्थिति में बहुत सी महिलाओं ने वही किया होगा जो अन्य लोग कर रहे थे।

वे बाल की ओर फिरे होंगे, और उन्होंने उसकी पूजा की होगी क्योंकि आखिरकार, यही उसका काम है। शायद हम उसमें यहोवा का संचार कर सकें। हम एक तरह से यहोवा की पूजा कर सकते हैं, लेकिन शायद हम बाल को भी ला सकते हैं और उसकी पूजा कर सकते हैं क्योंकि शायद उसका अधिकार क्षेत्र प्रजनन और जीवन और मृत्यु और यह सब है।

इसलिए, मुझे लगता है कि मैं उनकी पूजा करूँगा। मैं यहोवा को अस्वीकार नहीं कर रहा हूँ, परन्तु मैं बाल की पूजा करने जा रहा हूँ। ऐसा करने का प्रलोभन रहा होगा।

इसे समन्वयवाद कहा जाता है, और प्रभु ने कहा, नहीं, आप ऐसा नहीं करने जा रहे हैं। हन्ना ने ऐसा नहीं किया. वह अभयारण्य में गई.

उसने अपना दिल प्रभु के सामने रख दिया, भले ही वह बहुत दुख और उत्पीड़न का अनुभव कर रही थी। वह प्रभु के प्रति वफादार और निष्ठावान थी। और इसलिए अब, जब वह अपनी ओर से हस्तक्षेप करने के लिए प्रभु को धन्यवाद दे रही है, तो हम कनानी विश्वदृष्टि की प्रतिध्वनि देखने जा रहे हैं, और वह उसके खिलाफ विवाद करने जा रही है।

तो, श्लोक 2 में ध्यान दें, कि प्रभु के समान कोई भी पवित्र नहीं है, और वह यहां मुख्य रूप से नैतिक संदर्भ में बात नहीं कर रही है। जब हम पवित्र का उपयोग करते हैं, तो हम किसी ऐसे व्यक्ति के बारे में सोचते हैं जो धर्मी है। वह पवित्र का उपयोग अलग, अद्वितीय, एक और केवल के मूल अर्थ में कर रही है।

ऐसा कोई नहीं है जो वास्तव में यहोवा के समान पवित्र हो। उसे अलग कर दिया गया है. वह अन्य सभी से अलग है.

वह अद्वितीय है. वह एकमात्र ईश्वर है। आपके अलावा कोई नहीं है.

अब, उसके सांस्कृतिक संदर्भ में, कई लोग कहेंगे, अरे हाँ, वहाँ है। बाल, बाल और कुछ अन्य देवताओं के बारे में क्या? हमारे परमेश्वर के समान कोई चट्टान नहीं है। अब, रॉक, यह एक प्रकार का भ्रमित करने वाला शब्द है।

वह भगवान को चट्टान क्यों कह रही होगी? दुनिया में इसका क्या मतलब है? किसी पर उठाकर फेंकने के लिए पत्थर? उसका कहने का क्या मतलब है? खैर, वह विशेष शब्द जो चट्टान के लिए उपयोग किया जाता है, सुर, वास्तव में एक चट्टानी चट्टान को संदर्भित करता है। दाऊद प्रभु को अपनी चट्टान कहने जा रहा है क्योंकि जब दाऊद शाऊल द्वारा पीछा किए जाने के कारण इधर-उधर भाग रहा था, तो उसे कभी-कभी इन क्षेत्रों में जाना पड़ता था जहाँ वह शाऊल से दूर हो सकता था। यह एक चट्टानी चट्टान को आश्रय स्थल के रूप में संदर्भित करता है जहाँ आप सुरक्षा पा सकते हैं, और जहाँ तक आपके दुश्मनों का सवाल है, आप अपेक्षाकृत दुर्गम होंगे।

तो, इसका वास्तव में अर्थ रक्षक है, लेकिन यदि आप इसका इस तरह अनुवाद करते हैं, तो आप छवि खो देते हैं। लेकिन अंग्रेजी में रॉक भ्रमित करने वाला भी हो सकता है, इसलिए उसका मतलब वास्तव में रक्षक होता है। अब, मुझे पथरीली चट्टानों से डर लगता है।

मुझे ऊंचाई पसंद नहीं है, लेकिन मैं इसे सुरक्षा की जगह मानता हूँ। ऐसा कोई नहीं है जो हमारे भगवान की तरह अपने लोगों की रक्षा कर सके, और मैंने इसे सच पाया। वह कहती है कि भगवान ने मेरी रक्षा की है।

मुझे इस उत्पीड़न से मुक्ति मिल गई है, और अब वह उन लोगों से बात करती है जो उससे सवाल कर रहे थे, और वह बहुवचन का उपयोग करती है। वह सिर्फ एकवचन में नहीं बोल रही है। हिब्रू में, हम बता सकते हैं कि दूसरा व्यक्ति रूप एकवचन है या बहुवचन, और वह बहुवचन का उपयोग करती है।

इतने गर्व से बातें न करो, या अपने मुँह से ऐसी अहंकार की बातें न करो। संभवतः उसके विचार में पनिन्ना है, लेकिन दूसरों को भी, शायद जिन्होंने उससे कुछ कहा था, या शायद सामान्य तौर पर यहोवा के शत्रु ही थे, क्योंकि प्रभु एक ऐसा ईश्वर है जो जानता है। तो, भगवान को पता है कि क्या हो रहा है, और उसके द्वारा कर्मों को तौला जाता है।

इसलिए, वह इस तथ्य से भली-भांति परिचित है कि ईश्वर सर्वज्ञ है। वह सब कुछ जानता है और न्यायकारी भी है। यह उनकी सर्वज्ञता के मुख्य कार्यों में से एक है।

वह सब कुछ जानता है, इसलिए वह वही कर सकता है जो सही और उचित है। उसी से कर्म तौले जाते हैं। शूरवीरों के धनुष टूट गए हैं, परन्तु ठोकर खानेवाले बल से सुसज्जित हो गए हैं।

जो कुछ चल रहा है उसका वर्णन करने के लिए वह फिर से इस सैन्यवादी भाषा का उपयोग करती है, और जो कुछ हुआ है उसके बारे में वह सामान्यीकरण करती हुई प्रतीत होती है। योद्धा के धनुष, खैर, उन योद्धाओं में से एक पनिन्ना था। जो लड़खड़ा गई, ठीक है, वह वही थी, लेकिन अब उसमें ताकत है।

उसका एक बच्चा है। जो तृप्त थे, उन्होंने भोजन के लिये अपने आप को मजदूरी पर लगा दिया, परन्तु जो भूखे थे, उन्हें फिर भूख नहीं लगी। प्रभु उलटफेर करते हैं।

हां, कुछ लोग कुछ समय के लिए समृद्ध हो सकते हैं, लेकिन अगर वे धर्मी नहीं हैं, और वे भगवान के पक्ष में नहीं हैं, तो उन्हें अंततः नीचे लाया जाएगा, और जो भूखे हैं, हां, भगवान के लोग कभी-कभी उत्पीड़न सहते हैं। हन्ना के पास है, लेकिन अंततः, प्रभु उनके लिए भोजन लाते हैं, जैसा कि यह था, और वे अब भूखे नहीं हैं, और इसलिए प्रभु ने यह उलटफेर किया है। आम तौर पर कहीं तो उसने अतीत में ऐसा किया है।

उसने हन्ना के लिए ऐसा किया है, और फिर वह घर के थोड़ा करीब आ जाती है। वह सामान्य शब्दों में बात कर रही है, लेकिन फिर वह कहती है, वह जो बांझ थी, उसके सात बच्चे पैदा हुए,

लेकिन वह जिसके कई बेटे थे, वह दूर हो गई। आप उसमें हन्ना और पेनिन्ना को देखे बिना नहीं रह सकते।

हन्ना के सात बच्चे नहीं हैं, लेकिन वह जोर देने के लिए अतिशयोक्ति का प्रयोग कर रही है। उसे और भी मिलने वाला है। उसे पाँच और मिलने वाले हैं, लेकिन वह सात का उपयोग करती है।

आपने सुना होगा कि यह पूर्णता या पूर्णता की संख्या है, और यह वास्तव में है। जैसे ही आप बाइबल पढ़ते हैं, आप देखते हैं कि इसका उपयोग इस तरह किया जाता था, और प्राचीन निकट पूर्वी दुनिया में भी, यह एक सांस्कृतिक चीज़ थी। इसलिए, जब वे पूर्णता और पूर्णता पर जोर देना चाहते थे तो वे सात या सात के गुणकों का उपयोग करते थे, और इसलिए वह जो बंजर थी, उसने सात बच्चों को जन्म दिया है।

उसके पास वह सब कुछ है जो वह चाहती है। मुझे लगता है कि वह एक पूर्ण माँ है, यह विचार है, लेकिन उसे इस बिंदु पर मुख्य रूप से खुद का जिक्र करना होगा, भले ही यह अधिक सामान्य शब्दों में हो। फिर वह श्लोक छह में बदलाव करती है, और वह हिब्रू में कृदंतों का उपयोग करना शुरू कर देती है, ऐसे रूप जो सुझाव देते हैं कि भगवान अब आम तौर पर यही करता है।

इसलिए, वह अतीत से वर्तमान की ओर बढ़ती है। प्रभु मृत्यु लाते हैं और जीवित करते हैं। वह कब्र में नीचे लाता है, और एनआईवी इसका अनुवाद ऊपर उठाता है, जैसा कि अधिकांश अनुवाद करते हैं, और मैं इसका अनुवाद इसी तरह करता था, लेकिन हिब्रू में, यह वास्तव में एक रूप है, यह एक क्रिया रूप है जिसका उपयोग आप दान देते समय करते हैं जो कुछ घटित हुआ है, उसका लेखा-जोखा, और इसलिए मैं अब इसका अनुवाद करने के लिए अधिक इच्छुक हूँ, और वह आगे बढ़ गया है, क्योंकि वह अब सामान्यीकरण नहीं कर सकती है।

उसे अपने अनुभव के बारे में बात करनी होगी, और यदि ऐसा है, तो ध्यान दें कि भगवान मृत्यु लाते हैं और जीवित करते हैं। वैसे, यह बाल के विपरीत है। बाल मृत्यु को नियंत्रित नहीं करता।

वह मृत्यु से लड़ता है, कभी-कभी जीतता है, लेकिन वह मृत्यु को नियंत्रित नहीं करता है, लेकिन ध्यान देता है कि भगवान जीवन और मृत्यु पर संप्रभु है। अर्थात्, जब आप इसे संदर्भ में समझते हैं, तो यह बाल के विरुद्ध एक विवाद है। वह उन्हें कब्र में ले आता है, लेकिन उसने ऊपर उठाया है, और वह यह नहीं कहती कि मुझे ऊपर उठाया है, क्योंकि मुझे लगता है कि उसे लगता है कि आप शायद समझ गए हैं कि मैं संदर्भ के बारे में क्या बात कर रहा हूँ, और यदि यह मामला है, उसे ऐसा ही महसूस हुआ।

जुल्म इतना बुरा था कि उसे ऐसा लग रहा था मानो वह कब्र से एक कदम दूर है। वह अवसाद से मर रही थी, और प्रभु नीचे पहुंचे और उन्होंने उसे कब्र से बचाया। उसने उसका पालन-पोषण किया, और उसने उसे एक बच्चा, एक बेटा देकर ऐसा किया।

यह उसके लिए उतना ही महत्वपूर्ण था। प्रभु गरीबी और धन भेजते हैं। वह नम्र करता है और वह ऊँचा उठाता है।

वह गरीबों को धूल से उठाता है और जरूरतमंदों को राख के ढेर से उठाता है। वह उन्हें हाकिमों के साथ बैठाता है, और उन्हें सम्मान के सिंहासन का अधिकारी बनाता है, क्योंकि पृथ्वी की नींव प्रभु की है। उन पर उसने संसार बसाया है।

तो, भगवान एक न्यायकारी भगवान है। वह ऊँचे, शक्तिशाली और घमण्डियों को नीचे गिरा देता है। कभी-कभी आप सोचते हैं कि हे प्रभु, ऐसा करने में कितना समय लगेगा, लेकिन वह ऐसा करने के व्यवसाय में है, और अंततः वह ऐसा करेगा, और वह गरीबों और जरूरतमंदों को लेता है और उन्हें ऊपर उठाता है, और वह उन्हें देता है राजकुमारों के साथ एक आसन।

वह ऐसा करने के व्यवसाय में है। यह हमेशा उतनी जल्दी नहीं होता जितना हम चाहते हैं, लेकिन अंततः गरीबों और जरूरतमंदों, इस संदर्भ में हन्ना जैसे प्रभु के अनुयायियों, जो उत्पीड़न सह रहे हैं, को दोषमुक्त किया जाएगा। और यीशु मैथ्यू 5 में भी यही बात कहते हैं। वह अपने अनुयायियों को गरीब, जरूरतमंद और उत्पीड़ित बताते हैं, और वह कहते हैं, जब तुम्हें एहसास हो कि तुम उत्पीड़न सह रहे हो तो आभारी रहो, क्योंकि यह एक संकेत है कि तुम मेरी तरफ हो। और तुम निर्दोष ठहरोगे।

आपको दोषमुक्त किया जाएगा। तुम्हें राज्य विरासत में मिलेगा, और ऊँचे और शक्तिशाली लोग नीचे गिरा दिये जायेंगे। और इसलिए, हन्ना यह देखती है।

प्रभु न्यायकारी हैं। वह एक न्यायप्रिय भगवान है, और अब वह भविष्य की ओर देखना शुरू कर देती है और यह भी देखने लगती है कि भगवान आमतौर पर भविष्य में क्या करेंगे और अंततः भविष्य में क्या करेंगे। वह अपने संतों, अपने लोगों, अपने हसीदियों और उन लोगों के चरणों की रक्षा करेगा जो उसके वफादार अनुयायी हैं।

परन्तु दुष्ट अन्धकार में चुप हो जायेंगे। ताकत से कोई जीत नहीं पाता। जो लोग प्रभु का विरोध करेंगे वे चकनाचूर हो जायेंगे।

और अब यहां बाल कल्पना के उनके उपयोग पर ध्यान दें। वह स्वर्ग से उन पर गरजेगा। तो, वह कल्पना करती है कि प्रभु महान न्यायाधीश के रूप में आ रहे हैं, और वह आकाश से गरज रहे हैं।

वह बाल जैसे शब्दों में भगवान का चित्रण कर रही है। कनानवासी बाल के बारे में इसी तरह बात करते हैं, लेकिन हन्ना के लिए, नहीं, यह प्रभु ही है जो न्यायी राजा है। वह वह है जो जीवन और मृत्यु और प्रजनन क्षमता और इन सभी को नियंत्रित करता है, बाल को नहीं, और वह वह है जो अपने लोगों की ओर से स्वर्ग से गरजता हुआ आएगा।

और यहोवा पृथ्वी की छोर तक का न्याय करेगा। वह अपने राजा को बल देगा, और अपने अभिषिक्त के सींग को ऊंचा करेगा। वह उस सींग वाली छवि पर वापस जाती है, जिससे उसने शुरुआत की थी।

उसने कहा, यहोवा ने मेरे सींग को ऊंचा किया है। उसने मुझे मेरे शत्रुओं से ऊपर उठाया है। और इस बिंदु पर, आपको एहसास होता है कि हन्ना केवल इस संदर्भ में नहीं सोच रही है कि एक व्यक्ति के रूप में भगवान ने उसके लिए क्या किया है।

वह समझती है कि इज़राइल भी उसी स्थिति में है, जिस पर वह अत्याचार कर रही है। आप जानते हैं, चारों ओर शक्तिशाली शत्रु हैं। आपने इसके बारे में न्यायाधीशों की पुस्तक में पढ़ा है, और हम इसे सैमुअल, विशेष रूप से पलिशियों में देखने जा रहे हैं।

परन्तु वह उस दिन की प्रतीक्षा कर रही है जब वह अपने राजा को शक्ति देगा और अपने अभिषिक्त के सींग को ऊंचा करेगा। और कुछ लोग कहेंगे, इस समय कोई राजा नहीं है, इसलिए यह कुछ ऐसा होगा जो बाद में लिखा गया होगा। हन्ना ने सचमुच यह नहीं कहा।

यह बाद में कोई लिख रहा है, शायद उसकी मूल प्रार्थना में कुछ जोड़ रहा है, या हो सकता है कि प्रार्थना स्वयं ही मनगढ़ंत हो क्योंकि वह ऐसे बात कर रही है जैसे कि एक राजा है और कोई नहीं है। मैं कहूंगा, नहीं, वह अनुमान लगा रही है कि एक राजा होगा, कि प्रभु अपने लोगों को नेतृत्व प्रदान करने जा रहे हैं। और यह न्यायाधीशों के निष्कर्ष के अनुरूप है।

इस्राएल को एक राजा की आवश्यकता है। हन्ना यह जानती है। उन्हें एक नेता की जरूरत है।

उन्हें एक मजबूत नेता की जरूरत है। और वह है, मैं वास्तव में उस अंतिम कथन का अनुवाद एक प्रार्थना के रूप में करूंगा। यहोवा उसके राजा को शक्ति दे, और अपने अभिषिक्त के सींग को ऊंचा करे।

वह इसके लिए प्रार्थना कर रही है, और वह वास्तव में अपने अनुभव को एक ऐसी चीज़ के रूप में देखती है जो समग्र रूप से लोगों के लिए महत्वपूर्ण है। हम इस विशेष पाठ में ऐसा नहीं करने जा रहे हैं, लेकिन मैं आपको ल्यूक में मैरी के गीत के साथ हन्ना के धन्यवाद गीत की तुलना करने की चुनौती दूंगा। संरचनात्मक रूप से बहुत समान, और मैरी वास्तव में अपने अनुभव को उसी तरह देखती है जैसे हन्ना देखती है।

प्रभु मेरे पास आए हैं, और उन्होंने मुझे बहुत आशीर्वाद दिया है, लेकिन इस सब में उद्देश्य, अंतिम उद्देश्य अपने लोगों इसराइल के लिए प्रदान करना है, और वह मसीहा के माध्यम से ऐसा करने जा रहे हैं। और इसलिए हन्ना उस संबंध में बहुत समान है। मुझे लगता है कि मैरी हन्ना के गीत से परिचित थी, और उसने अपना गीत हन्ना के गीत के अनुरूप बनाया।

लेकिन दोनों में, आपके पास यह विषय है कि प्रभु एक महिला के माध्यम से अपने लोगों को प्रदान करने जा रहे हैं। और इसलिए हन्ना उस दिन का इंतज़ार कर रही है। और यह बहुत दिलचस्प है कि 1 शमूएल 7 में, प्रभु अपने शत्रुओं, पलिशियों के खिलाफ गरजने के लिए आने वाले हैं, जैसा कि शमूएल ने उनसे प्रार्थना की थी।

और फिर बाद में डेविड, 2 शमूएल 22 में, इस सब के बिल्कुल अंत में, अंत से कुछ अध्याय दूर, डेविड वहां क्या प्रार्थना करता है और हन्ना यहां क्या प्रार्थना करती है, के बीच बहुत सारी

समानताएं हैं। और प्रभु ने दाऊद को कई बार बचाया है, और दाऊद ने इसे ऐसे चित्रित किया जैसे प्रभु आते हैं, बादलों में गरजते हैं, और उसे उसके शत्रुओं से बचाते हैं। तो, यह एक मूल भाव है जिसे हम देखने जा रहे हैं जो पुस्तक में बहुत महत्वपूर्ण है।

और इसलिए, हन्ना की यह प्रार्थना उस चीज़ के लिए मंच तैयार कर रही है जो हम पुस्तक के सामने आने पर देखने जा रहे हैं। तब एल्काना रामा को अपने घर चला गया, परन्तु लड़का एली याजक के अधीन यहोवा के साम्हने सेवा टहल करने लगा। और वह कहानी के विकास में एक रुकावट बिंदु है।

मुझे लगता है कि अध्याय विभाजन, अध्याय विभाजन निश्चित रूप से देर से हुआ था, मुझे वास्तव में लगता है कि इसे 11 छंदों के बजाय यहां रखा जाना चाहिए था। लेकिन यहां एक विराम है, और अब हम एली और उसके बेटों पर स्विच करने जा रहे हैं। और हम जो देखने जा रहे हैं वह सैमुअल और एली और उसके बेटों के बीच एक स्पष्ट विरोधाभास है।

और हम आगे-पीछे चलते रहेंगे। हम एली और उसके बेटों का वर्णन करने जा रहे हैं, हम शमूएल का वर्णन करने जा रहे हैं, आगे और पीछे, आगे और पीछे, अध्याय दो के बाकी हिस्सों में, और फिर अध्याय तीन और चार में। लेकिन हम अपने अगले पाठ में अध्याय दो, श्लोक 12 से 36 पर करीब से नज़र डालेंगे।

यह डॉ. रॉबर्ट चिशोल्म 1 और 2 सैमुअल की पुस्तकों पर अपने शिक्षण में हैं। यह सत्र 1 है, 1 सैमुअल 1.1-2.11, बैरेन नहीं रहे।